अपनी राधा को ऐसे न तड़पाइए

श्याम गोकुल को छोड़ मथुरा न जाइये,
अपनी राधा को ऐसे न तड़पाइए,
गोपी ग्वालो को ऐसे न विसराइये,
अपनी राधा को ऐसे न तड़पाइए,

रोये यमुना के तट हुआ सुना पनघट,
गइयाँ व्याकुल खड़ी आई कैसी घडी,
किये वादा जो था श्याम वो निभाइये,
अपनी राधा को ऐसे न तड़पाइए,

कैसे रह पाए गई मात यशोदा यहाँ,
प्राण तझ देंगी रो रो के सखियाँ यहाँ,
सांस बन कर के इस तन में बस जाइये,
अपनी राधा को ऐसे न तड़पाइए,

रास होगा न मधुवन में कान्हा कभी,
गिरी चरणों में बंधन करते सभी,
प्रेम की बांसुरी फिर से बजाइये,
अपनी राधा को ऐसे न तड़पाइए,

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/6734/title/apni-radha-ko-ese-na-tadpaaiye-shyam-gokul-chod-mathura-na-jaaiye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |